कृषी प्रक्रिया सुविधा प्रकल्पासाठी जनेप प्राधिकरणाने मेसर्स ट्रायडेंट अॅग्रोकॉम एक्सपोर्ट्स प्रायव्हेट लिमिटेड आणि मेसर्स मॅन इन्फ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (कन्सोर्टियम) यांना औपचारिक अधिसूचना पत्र जारी केले

मुंबई**, 02** जानेवरी**, 2025:** भारतातील सर्वोत्तम कामगिरी करणाऱ्या जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरणाने 30 डिसेंबर 2024 रोजी जनेप प्राधिकरण येथे निर्यात-आयात सह देशांतर्गत कृषी वस्तू-आधारित प्रक्रिया आणि साठवण सुविधा विकसित करण्यासाठी मेसर्स ट्रायडेंट अॅग्रोकॉम एक्सपोर्ट्स प्रायव्हेट लिमिटेड आणि मेसर्स मॅन इन्फ्राकॉन्स्ट्रक्शन लिमिटेड (कंसोर्टियम) यांना लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) जारी केले आहे. हा प्रकल्प बंदर संकुलातील 27 एकर जमिनीवर उभारला जाणार असून या प्रकल्पाचे मूल्य अंदाजे रु. 284 कोटी आहे.

जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., म्हणाले की, "हा प्रकल्प भारताच्या कृषी लॉजिस्टिक क्षमता वाढवेल आणि देशांतर्गत आणि आंतरराष्ट्रीय कृषी व्यापाराच्या वाढीला आधार देईल. या नवीन सुविधेच्या माध्यमातून, भारताच्या कृषी निर्यात पायाभूत सुविधा बळकट करण्यात जनेप प्राधिकरण महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावत आहे. नवीन वर्षात, आमचे प्रगती आणि विकासाला गती देण्यावर तसेच प्रमुख प्रकल्प वेळेवर पूर्ण करण्यासाठी वेगवान काम सुनिश्चित करण्यावर असेल".

एकदा कार्यान्वित झाल्यावर, या सुविधांतर्गत दरवर्षी सुमारे 1.2 दशलक्ष टन माल हाताळण्याची अपेक्षा असून कृषी मालासाठी प्रक्रिया, साठवण आणि वाहतूक पायाभूत सुविधांमध्ये सुधारणा करून देशाच्या कृषी व्यापारात लक्षणीय योगदान मिळणे अपेक्षित आहे.

जवाहरलाल नेहरू बंदराने पुरवलेली ही भारतातील अशा प्रकारची पहिलीच सुविधा आहे. अन्न सुरक्षा आणि व्यापार नियमांचे पालन सुनिश्चित करण्याच्या वचनबद्धतेवर भर देत, प्रक्रिया, वर्गीकरण, पॅकिंग आणि प्रयोगशाळा सुविधांसह सर्वसमावेशक सेवा प्रदान करण्यासाठी या सुविधेची रचना करण्यात आली आहे आणि केवळ महाराष्ट्रच नव्हे तर मध्य प्रदेश आणि गुजरातसारख्या इतर राज्यांच्या कृषी उत्पादनांच्या देखील गरजा पूर्ण करेल.

या प्रकल्पाला 16 जुलै 2024 रोजी माननीय केंद्रीय बंदरे, नौवहन आणि जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल यांच्याकडून मंजुरी मिळाली.

जनेप प्राधिकरणाबद्दल **:**

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते - एन एस एफ टी , एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे

व्यवस्थापित केले जाते. याव्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्रातील वाढवण येथे सर्व हवामानात काम करण्यायोग्य, २० मीटर नैसर्गिक खोल, ग्रीनफिल्ड पोर्ट विकसित करत आहे. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जनेप प्राधिकरण ने कृषि प्रसंस्करण सुविधा की परियोजना के लिए मेसर्स ट्राइडेंट एग्रोकॉम एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स मान इन्फ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (सहायता संघ - कंसोर्टियम) को पुरस्कार पत्र के जरिये औपचारिक अधिसूचना जारी की

मुंबई**, 02** जनवरी**, 2025:** भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण ने 30 दिसंबर, 2024 को जनेप प्राधिकरण में निर्यात-आयात सह कृषि वस्तु आधारित प्रसंस्करण और भंडारण सुविधा के विकास के लिए मेसर्स ट्राइडेंट एग्रोकॉम एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स मान इंफ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (कंसोर्टियम) को लेटर पुरस्कार पत्र (एलओए) जारी किया है। इस परियोजना का मूल्य लगभग 284 करोड़ रुपये है और बंदरगाह परिसर के भीतर 27 एकड़ भूमि पर इसका निर्माण किया जाएगा।

जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने कहा, "यह परियोजना भारत की कृषि रसद क्षमताओं को बढ़ाएगी और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कृषि व्यापार दोनों के विकास को सहायता करेगी। नई सुविधा के साथ, जनेप प्राधिकरण भारत के कृषि निर्यात बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नए साल में हमारा ध्यान वृद्धि और विकास में तेजी लाने, प्रमुख परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए तेजी से काम सुनिश्चित करने पर होगा।"

एक बार प्रचलित होने पर, इस सुविधा से सालाना लगभग 1.2 मिलियन टन कार्गो का प्रहास्तन अपेक्षित है, जो कृषि वस्तुओं के लिए प्रसंस्करण, भंडारण और परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार कर देश के कृषि व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

यह जवाहरलाल नेहरू पत्तन द्वारा प्रदान की जाने वाली भारत की अपनी तरह की पहली सुविधा है। इसे खाद्य सुरक्षा और व्यापार नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए प्रसंस्करण, छंटाई, पैकिंग और प्रयोगशाला सुविधाओं सहित व्यापक सेवाएं प्रदान करने के लिए बनाया गया है और यह न केवल महाराष्ट्र बल्कि मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे अन्य राज्यों की कृषि उत्पाद की भी आवश्यकताएं पूरी करेगा।

इस परियोजना को 16 जुलाई, 2024 को माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल से मंजूरी मिली।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जेएनपीए पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्र के वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राफ्ट वाला, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने की संभावना है और इसकी स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

JNPA issued the Letter of Award M/s Trident Agrocom Exports Private Limited and M/s Man Infraconstruction Limited (consortium) for the project of the Agro Processing Facility

Mumbai, January 2nd, 2025: Jawaharlal Nehru Port Authority - India's Best Performing Port, has issued the Letter of Award (LoA) to M/s Trident Agrocom Exports Private Limited and M/s Man Infraconstruction Limited (Consortium) for the development of an export-import cum domestic agriculture commodity-based processing and storage facility at JNPA, on December 30th, 2024. The project, valued at approximately Rs. 284 Crores, will be constructed on a 27-acre land parcel within the port complex.

Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman of JNPA, stated, *"This project will enhance India's agricultural logistics capabilities and support the growth of both domestic and international agro trade. With the new facility, JNPA is playing a critical role in strengthening India's agricultural export infrastructure. In the new year, our focus will be on accelerating growth and development, ensuring fast-paced work for timely completion of key projects."*

Once operational, the facility is expected to handle about 1.2 million tonnes of cargo annually, significantly contributing to the country's agro trade by improving the processing, storage, and transportation infrastructure for agricultural commodities.

This is India's first one-of-its-kind facility provided by JN Port. It is designed to provide comprehensive services including processing, sorting, packing, and laboratory facilities, emphasizing its commitment to ensuring compliance with food safety and trade regulations and shall cater to the agricultural commodities not only of Maharashtra but also of other states such as Madhya Pradesh and Gujarat.

The project received approval from the Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping, and Waterways, Shri Sarbananda Sonowal on July 16th, 2024.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA

Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:

JNPA:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in